भारत में नवीन औषधियों की खोज करने हेतु आधारभूत प्रयोगशालाओं (बेसिक लेबोरेट्रीज) की कमी

8827. **डा. लक्ष्मीनारायण पांडेय :** क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत में नवीन औषधियों की खोज करने हेतु आधारभूत प्रयोगशालाओं (बेसिक लेबोरेट्रीज) की कमी है ; और

(ख) यदि हां, तो इस कमी को पूरा करते के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सी०पी० माझी): (क) और (ख) : औषध जैसे अत्यधिक अनुसुधान परक उद्योग में अनुसंधान और विकास के विचार से सरकारी क्षेत्र जैसे आई डी पी एल तथा एच ए एल और एन सी एल अनुसंधान प्रयोगशालाओं सी डी और आई सहित सरकारी प्रयोगशालाएं तथा कुछ निजी (गैर सरकारी) क्षेत्र की प्रयोगशालाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है । इसके अतिरिक्त, हैक्स्ट साराभाई सीबा गाईग ग्लक्सो और 29 अन्य औषध निर्माण एकको ने अपने को उच्चतर प्रक्रियाओं के प्राप्त करने के लिय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के साथ पूंजी कृत किया है ।

पेट्रोलियम एवं रसायन मंत्रालय स्वास्थ्य मंत्रालय डी जी टी डी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सी डी आर आई एल सी एल आर आर एल एच ए एल आई डी पी एल तथा देश में औषध निर्माताओं के 3 संघों के प्रतनिधियों की एक संयुक्त समिति की देश में औषध के लिय अनुसंधान सरचना को सुदृढ़ बनाने के लिय उपायों को समन्वित करने उनका मूल्यांकन करने तथा उन्हें सुझाने के लिये समय समय पर बैठक की जाती है । श्री जय सुख लाल हाथी के नेतृत्व में औषध एवं मेड्ज पर समिति ने भी इस मामले की जाच की थी और उसकी रिपोर्ट की चालू अधिवश के दौरान सभा पटल पर प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है ।

पेनसिलीन, एस्प्रीन तथा विटामिन ए का उत्पादन और आयात

8828. **डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय :** क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में वर्ष 1974–75 में "पैनीसिलीन एस्प्रीन तथा विटामिन 'ए' और 'सी' का कितना कितना उत्पादन हुआ ;

(ख) क्या उत्पादन देश की मांग को पूरा करने के लिए प्रर्याप्त है अथवा विदेशों से इनका आयाता भी किया जा रहा है ; और

(ग) इस कमी को दूर करते के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सी० पी० माझी) : (क) और (ख) इस संगठित क्षेत्र में इन यूनिटों द्वारा 1974 के दौरान पेन्सिलीन एस्पीरीन, विटामिन ए और विटामिन सी के उत्पादन का ब्यौरा और वर्ष 1973–74 के दौरान इन मदों का आयात निम्न प्रकार है :—

क्र० सं०	यूनिट	मद का नाम	1974 के दौरान उत्पादन	वर्ष 1973–74 के दौरान लाख रुपयों आयात का मूल्य	
1.	एम एम यू	पेनिसिलीन	255.29	0.52 (पेनिसिलीन जी पोटाशियम)	0.71
2	मी० टन	एस्प्रीन	800.12	शून्य	शून्य
3.	एम एम यू	विटामिनए	46.44	शून्य	शून्य
4.	मी० टन	विटामि. सी	254.99	306	112.65

(ग) देश में इन औषधों का कोई अभाव नहीं है। देशीय उत्पादन अपर्याप्त होने के कारण विटामिन सी के लिए मांग की आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है। मैसर्स जयन्त विटामिन लि० (क्षमता 142.5 प्रतिवर्ष) 1974 के दौरान विटामिन सी का उत्पादन करना आरम्भ कर दिया है किन्तु हिन्दुस्तान एन्टीबायटिक्स लि० (क्षमता 125 मी० टन प्रतिवर्ष) के मामले में उत्पादन सुस्थिर किया जा रहा है। अनेक उपायों यथा नई क्षमता का सृजन विद्यमान यूनिटो का विस्तार आदि की देश इन औषधो का उत्पादन आरम्भ करने के लिए हाथ मे ले लिया जा रहा है। हिन्दुस्तान एन्टीबायोटिक्स लि०, एक सरकारी क्षेत्र के यूनिट का प्रस्ताव है कि पांचवी पच-वर्षीय योजना के दौरान 84 एम एम, यू से 160 एम एम यू तक पेनिसिलीन और 125 मी० टन से 250 मी० टन तक विटामिन सी के लिए अपनी विद्यमान क्षमता का विस्तार करने का प्रस्ताव हैं। 160 एम एम यू की क्षमता वाले दूसरे पेनिसिलीन सयंत्र की स्थापना करने के लिए उनका प्रस्ताव है। वे पेनिसिलीन के उच्च उत्पाद प्रभदो का प्राप्त करना भी है और जापानी कंपनी के साथ सहयोग की शर्तो को हाल ही मे स्वीकार किया हैं।

खण्डवा-अजमेर सेक्शन में मीटर गेज लाइन में पुराने शयनयानों के स्थान पर नये शयन-यानों को चलाने संबंधी प्रस्ताव

8829. डा० लक्ष्मीनारायण पंडित : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार पश्चिम रेलवे के खंडवा अजमेर सेक्शन की मीटर गेज लाइन पर पुराने शयन यानों के स्थान पर नये शयन यान चलाने का है ;

(ख) क्या वर्तमान में चल रहे शयन यान काफी पुराने हैं जिनके कारण यात्रियों को असुविधा होती है ; और

(ग) यदि हां, तो इस बारे में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे है अथवा उठाने का विचार है ?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री खूटा सिंह): (क) से (ग) पहले वाले अभिकल्प के मीटर लाइन के शयन यानों मे यद्यपि वह बहुत पुराना नही है, छोटी कुछ शयिकाएं है। बाद वाले अभिकल्प के अनुसार सवारी डिब्बों में लम्बी शायिकाए हैं। यह विनिश्चय किया गया है कि नये टाइप के शयन यानों के उपलब्ध होने पर चरण बद्ध आधार पर उनकी व्यवस्था की जाय। खंडवा-अजमेर खंड के सवारी डिब्बे भी तदनसार यथा-समय बदल दिये जायेंगे।

रतलाम स्टेशन में मीटर गेज प्लेटफार्म और ब्राड गेज प्लेटफार्म के बीच अन्तर

8830. डा. लक्ष्मीनारायण पांडेय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रतलाम स्टेशन के मीटर गेज प्लेटफार्म और ब्राड गेज प्लेटफार्म के बीच काफी अन्तर है;

(ख) क्या यात्री आम तौर पर मिलाने वाली गाड़ियों को नही पकड़ पाते हैं क्योंकि उन्हे इन प्लेटफार्मों के बीच लम्बी दूरी को पार करना पडता है ; और

(ग) इस कठिनाई को दूर करने के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री खूटा सिंह): (क) रतलाम में बड़ी लाइन और मीटर लाइन के निकटतम प्लेटफार्मों के बीच की न्यूनतम दूरी 180 मीटर और बड़ी लाइन